वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 5 | गुरुवार 4 मई 2023 | दैनिक ई-पेपर

# शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

## पपेट शो 'काबुलीवाला' का होगा मंचन

### शनिवार को जवाहर कला केन्द्र में कठपुतलियां साकार करेंगी भाव

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

जवाहर कला केन्द्र की पहल 'नौनिहाल' के तहत 6 मई, शनिवार को पपेट शो 'काबुलीवाला' का मंचन रंगायन सभागार में किया जाएगा। वरिष्ठ नाट्य निर्देशक लईक हुसैन के निर्देशन में होने वाले शो में रबीन्द्र नाथ टैगोर की प्रसिद्ध कहानी 'काबुलीवाला' के भावों को कठपुतलियों के जरिए साकार किया जाएगा। खास बात यह है कि इस शो में राजस्थान की धागा पुतली कला से रूबरू होने का मौका भी मिलेगा। यह शो दो बार आयोजित होगा जिसमें सुबह 11 बजे वाले शो में केवल बच्चे हिस्सा ले सकेंगे। वहीं शाम 7 बजे हर आयुवर्ग के दर्शकों के लिए इस शो का मंचन किया जाएगा। इस शो में प्रवेश निः शुल्क रहेगा। गौरतलब है कि काबुलीवाला अफगानी पठान और छोटी बच्ची मिनी पर आधारित मार्मिक कहानी है। वही कठपुतली विश्व के प्राचीन समय से रंगमंच पर खेला जाने वाले मनोरंजक कार्यक्रम है। इसमें कठपुतलियों को विभिन्न प्रकार की गुड्डे गुड़ियों, जोकर आदि पात्रों के रूप में बनाया जाता है। लकड़ी से बनी पुतली के कारण इसका नाम कठपुतली पड़ा।

## कार्यकर्ताओं ने सेवादिवस के रूप में मनाया मुख्यमंत्री का जन्मदिन

### राजधानी में कई जगह ब्लड डोनेशन कैंप, आंदोलन कर रहे मंत्रालयिक कर्मचारियों ने भी किया रक्तदान

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत ने बुधवार को अपना 72वां जन्मदिन मनाया। वह सूबे के मेवाड़ इलाके में आदिवासियों के बीच मौजूद रहें। वहीं गहलोत ने दिन भर कई गांवों में जाकर महंगाई राहत कैंप का जायजा भी लिया। सीएम अशोक गहलोत के जन्मदिन को लेकर पूरे राजस्थान में उत्सव मनाया गया। पार्टी कार्यकर्त्ता सहित कई सामाजिक संगठनों द्वारा सीएम के जन्मदिन को सेवादिवस के रूप में मनाया। राजधानी में कई स्थानों पर ब्लड कैंप, वृक्षारोपण, फल वितरण सहित अन्य सेवा के कार्य किये गए। सीएम अशोक गहलोत 72 साल के हो चुके हैं। अशोक गहलोत का जन्म 3 मई 1951 को लक्ष्मण सिंह गहलोत के घर जोधपुर में हुआ था। अशोक गहलोत ने साइंस और लॉ में ग्रेजुएट हैं, वहीं उन्होंने अर्थशास्त्र में मास्टर्स की डिग्री भी पूरी की है। मानसरोवर स्थित साकेत हॉस्पिटल में सीएम अशोक गहलोत के जन्मदिन पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। हॉस्पिटल निदेशक डॉ. प्रवीण मंगलूनिया ने बताया कि हमारे हॉस्पिटल द्वारा साल 2002 से लगातार मुख्यमंत्री जी के जन्मदिन पर रक्तदान शिविर आयोजित किया जा रहा है। इस ब्लड डोनेशन कैंप में लगभग 150 यूनिट रक्त स्वास्थ्य कल्याण एवं दुर्लभ जी ब्लड बैंक के सहयोग से एकत्रित किये गए। अधीक्षक डॉ. ईश मुंजाल ने बताया कि हॉस्पिटल से जुड़े स्टाफ और छात्रों ने ब्लड डोनेट किया। गर्मी में लोगों को ब्लड की आवश्यकता बढ़ जाती है ऐसे में मुख्यमंत्री जी के जन्मदिन पर हमारे द्वारा यह सेवा का कार्य पिछले 22 वर्षों से अनवरत जारी है। वहीं

सरकार के खिलाफ धरने पर बैठे मंत्रालयिक कर्मचारियों द्वारा भी मानसरोवर शिप्रा पथ ग्राउंड के पास तीन अलग अलग स्थानों पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। राजस्थान मंत्रालयिक कर्मचारी संगठन के प्रदेश अध्यक्ष राज सिंह ने कहा कि पिछले 17 दिनों से हमारा धरना जारी है। सीएम साहब के जन्मदिन पर लगभग 500 यूनिट रक्त एकत्रित किये गए। सारे कर्मचारी सीएम साहब के लिए खून देने को तैयार है। लेकिन उनके जन्मदिन पर उनसे कुछ भी हमारी मांग नहीं है।

## 21 महिलाओं और 11 लेडीज क्लब को किया सम्मानित

### नारी शक्ति 2023 अवॉर्ड्स में सफलता का परचम लहराने वाली महिलाओं को दिए अवॉर्ड

**जयपुर. कासं**

प्रखर नवनीत की ओर से आयोजित नारी तू नारायणी नारी शक्ति 2023 गुर्जर की थड़ी स्थित होटल हॉलिडे इन एक्सप्रेस में आयोजित किया गया। इस अवसर पर 21 महिलाओं एवं 11 लेडीज क्लब को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में उत्साह के साथ महिलाओं ने हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास थे, कार्यक्रम की

अध्यक्षता राजसमंद से विधायक दीप्ति किरण माहेश्वरी ने की। कार्यक्रम में विशेष अतिथियों में आईएएस ऑफिसर अनुपमा जोरवाल, राजस्थान चेंबर के मानद महासचिव केएल जैन, समाजसेवी सुषमा कालरा, बीजेपी के वरिष्ठ नेता अरुण अग्रवाल, केशव नवनीत के संपादक रामचरण बडाया भी उपस्थित थे। आयोजक भारती खंडेलवाल ने बताया कि प्रखर नवनीत को 8 साल पूरे होने के उपलक्ष में वृहद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में 21 महिलाओं को सम्मानित किया गया, जिन्होंने अपने क्षेत्र में सफलता का परचम लहराया है, और संघर्ष की नई इबारत लिखी है। इसके अलावा 11 लेडीज क्लब को भी सम्मानित किया गया, जिन्होंने महिलाओं को जोड़ने का प्रयास किया है। इस अवसर पर मैगजीन की लॉन्चिंग भी हुई, जिसमें इन महिलाओं के संघर्ष की कहानी को बयां किया गया है।

# संस्कार संगिनी का शपथ ग्रहण समारोह भव्य रुप से संपन्न हुआ

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

जैन सोशल ग्रुप संस्कार संगिनी फोरम का शपथ ग्रहण आज होटल सरोवर प्रीमियर लाल कोठी जयपुर में संपन्न हुआ। पेंट टी टाउन लैवेंडर थीम पर आयोजित भव्य कार्यक्रम की अध्यक्षता संगिनी संस्कार की फाउंडर प्रेसिडेंट एवं जैन सोशल ग्रुप इंटरनेशनल फेडरेशन नॉर्दन रीजन संगिनी कन्वीनर श्रीमती श्वेता लुणावत ने की। आँथ एवं इंस्टॉलेशन सेरेमनी की अध्यक्षता जैन सोशल ग्रुप इंटरनेशनल फेडरेशन नॉर्दन रीजन के चेयरमैन महेंद्र कुमार सिंघवी ने किया, कार्यकारिणी सदस्यो की शपथ जैन सोशल ग्रुप इंटरनेशनल फेडरेशन नॉर्दन रीजन के सचिव सिद्धार्थ जैन ने करवाई, उसी क्रम में पदाधिकारियों की शपथ जैन सोशल ग्रुप इंटरनेशनल फेडरेशन के सचिव महेंद्र गिरधरवाल ने करवाई, श्रीमती सुनीता जी पुंगलिया को संस्कार संगिनी अध्यक्षा की शपथ नॉर्दन रीजन के चेयरमैन महेंद्र कुमार सिंघवी ने करवाई। शपथ उपरांत चेयरमैन महेंद्र कुमार सिंघवी, फेडरेशन सचिव महेंद्र कुमार गिरधरवाल, रीजन सचिव सिद्धार्थ जैन, संस्कार ग्रुप के अध्यक्ष सुशील छाजेड़, संस्कार ग्रुप के सचिव शरद छजलानी ने अपने विचार और शुभकामनाएं प्रेषित करी। श्रीमती श्वेता लुणावत ने संगिनी ग्रुप संस्कार की उपलब्धियां एवं वर्ष 2023- 25 की कार्यप्रणाली की रूपरेखा सब को अवगत कराई। इस आयोजन में विभिन्न प्रकार के गेम्स एवं हाउसी का आयोजन भी किया गया था।

## नॉर्दर्न रीजन के चेयरमैन महेंद्र कुमार सिंघवी ने मन की बात सुनी

**जयपुर.शाबाश इंडिया।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के 100वी मन की बात स्पेशल एपिसोड में जयपुर ग्रेटर के उप महापौर पुनीत कर्णावट एवं राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवारी के साथ जैन सोशल ग्रुप इंटरनेशनल फेडरेशन नॉर्दर्न रीजन के चेयरमैन महेंद्र कुमार सिंघवी एवं सचिव सिद्धार्थ जैन विशेष रुप से शिरकत की ।

# मोक्ष कल्याणक के साथ पांच दिवसीय पंचकल्याणक महोत्सव का हुआ समापन

विवेक पाटोदी. शाबाश इंडिया।

सीकर ।सीकर के चरणसिंह कॉलोनी नवलगढ़ रोड़ स्थित चंद्रलोक गार्डन में पांच दिवसीय पंचकल्याणक महोत्सव का बुधवार को भगवान के मोक्षकल्याणक की मांगलिक क्रियाओ के पश्चात भव्य श्री जी की रथ यात्रा के साथ समापन हुआ। मोक्ष कल्याणक से जुड़े कार्यक्रम का मंचन हुआ ।प्रचार मंत्री विवेक पाटोदी ने बताया कि प्रातःकाल नित्याभिषेक, शांतिधारा ,पूजन, जाप्य हुए जिसके पश्चात योग निरोध पूर्वक मोक्षगमन, अग्नि संस्कार की क्रियाये हुई ।मोक्षकल्याणक के मुख्य कार्यक्रम में दर्शाया गया कि भगवान आदिनाथ कैलाश पर्वत से निर्वाण को प्राप्त हो जाते हैं । आयोजन स्थल अयोध्या नगरी में ब्रह्म मुहूंत में भगवान आदिनाथ को मोक्ष प्राप्त हुआ। संपूर्ण परिसर जयकारों से गूंज उठा। चार अग्निकुमार देव आकर भगवान के शरीर की अंतिम क्रियाएं और केश का विसर्जन करते हैं। इसके पश्चात मोक्ष कल्याणक पूजन के अंत मे भगवान आदिनाथ को सवा ग्यारह किलो वजनी निर्वाण लाडू समर्पित किया गया ।इसके पश्चात आचार्य श्री के पादप्रक्षालन, शास्त्र भेंट की मांगलिक क्रियाये हुई । आचार्य श्री विवेक सागर महाराज के मंगल प्रवचन हुए, जिसके बाद विश्व शांति महाअनुष्ठान महायज्ञ एवं हवन की क्रिया संपन्न हुई। मुख्य संयोजक चिरंजीलाल सेठी व अध्यक्ष जयप्रकाश काला ने बताया कि यज्ञ में सभी महापात्रों एवं इंद्र इंद्राणियो ने आहुतियां दी व विश्व शांति की कामना की गई ।पंचकल्याणक प्रतिष्ठा की समस्त मांगलिक क्रियाओं के पश्चात मूलनायक भगवान आदिनाथ सहित सभी तीर्थंकर भगवान की प्रतिमाओं को भव्य शोभायात्रा रथयात्रा के साथ नवीन मंदिर जी में लाया गया। बैंड-बाजों के साथ जिनेंद्र भगवान की रथयात्रा निकाली गई । हाथी, घोड़े व बग्गियों के साथ श्री जी का रथ चल रहा था , जिसके साथ आचार्य श्री विवेक सागर जी ससंघ चल रहे थे ।रथयात्रा में नव प्रतिष्ठित श्रीजी की प्रतिमाओं को सिर पर लिए श्रावक शुद्ध केसरिया वस्त्रों में चल रहे थे , जिसके पीछे समाज के सैकड़ो महिलाये पुरुष णमोकार का जाप व भक्ति करते हुए चल रहे थे । महामंत्री सुनील पहाड़िया व मंत्री विकास लुहाड़िया ने बताया कि नवनिर्मित मन्दिर में पात्र श्रीपाल द्वारा मन्दिर के पट खोले गए ।मन्दिर जी मे घन्टानाद हुआ व साथ ही भगवान विराजमान, मंगल कलश, ध्वजदण्ड स्थापना हुई ।सभी प्रतिमाओं को मन्दिर जी नवीन वेदी में विराजित कर व शिखर जी मे प्रतिमाएं जी विराजित कर मस्तकाभिषेक का कार्यक्रम हुआ ।जिसके पश्चात अर्घ समर्पण , मंगल आरती हुई ।विसर्जन कार्यक्रम के साथ ही महामहोत्सव का समापन हुआ ।कार्यक्रम के अंत मे समाज के इस आयोजन के सोशल मीडिया सहयोगी वीरध्वनि सहित सीकर के सभी मुख्य प्रिंट व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया समूह का आभार कमेटी द्वारा किया गया ।इस अवसर पर पूर्व विधायक रतन लाल जलधारी , समाजसेवी नेता लखपत ओला व मुरारी शर्मा उपस्थित थे ।आयोजन में सीकर , फतेहपुर , धोद , रानोली व आसपास के क्षेत्रों के हजारों जैन धर्मावलम्बी सहित सूरत , जयपुर , गया , इम्फाल ,

# मुनि सेवा समिति की प्रचंड विजय पर निकला जूलूस

## जैन समाज के प्रतिनिधियों के लिए हुई वोटों की गिनती, राकेश कांसल के नेतृत्व में होगी टीम गठित

**अशोक नगर. शाबाश इंडिया।** अशोक नगर जैन समाज के प्रतिनिधियों के चुनाव में 2308 परिवारों के मुखियाओ ने अपने मत अधिकार का प्रयोग करते हुए 54 प्रत्याशीयों में से प्रत्याशीयों का चुन लिया जिसमें मुनि संघ सेवा समिति के चौबीस सदस्यों ने प्रचंड बहुमत से विजय हासिल की। वहीं देव शास्त्र गुरु पैनल से तीन प्रतिनिधि यो का निर्वाचन हुआ। आज पंचायत के निर्वाचन में 2600 वोट में से 2308 वोट मतदान व अठारह टैडर मतो की सत्ताईस मतो के हिसाब से 57 हजार मतों की गिनती देर शाम तक होती रही इसमें निर्वाचन अधिकारी ने मुनि संघ सेवा समिति के अध्यक्ष राकेश कांसल अशोक टिंगू मिल राकेश अमरोद विपिन सिंघाई विजय धुर्रा सुनील अखाई संजय केटी सहित सभी विजय प्रत्याशी की घोषणा की। जैन समाज के चुनाव में प्रचंड विजय के वाद शाम को मुनि संघ सेवा समिति ने सुभाष गंज मन्दिर से विशाल विजय रैली निकाल कर सभी का धन्यवाद करते हुए मैन मार्केट गांधी पार्क पुराना बाजार प्रोसेशन रोड़ शान्ति नगर सुराना पार्क इन्द्र पार्क गांधी चौक महावीर मार्ग विवेक टाकीज स्टेशन रोड होते हुए मुनि पुगंव श्रीसुधासागरजी भवन गंज पहुंचकर सभा में वदल गई जहां मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने कहा कि परिवर्तन की आधी थी जनता ने मुनि संघ सेवा समिति को प्रचंड बहुमत दिया है इसके लिए पूरी मुनि सेवा समिति हृदय से आभार व्यक्त करती है परिवर्तन संसार का नियम है और आप सभी कार्यकर्ता बहुत मेहनत करके इसे सफल बनाया इस दौरान अध्यक्ष राकेशकांसल ने कहाकि सभी नेजो सहयोग दिया वह अभूतपूर्व है हम आपके प्रति कृतज्ञता प्रकट करते हुए हर्षित हो रहे हैं। इतनी बड़ी संख्या में कार्यकर्ता की उपस्थिति वताती है कि इस सफलता के पीछे कितने सारे लोगों ने श्रम किया है।इस दौरान मुनि संघ सेवा समिति के विजयइ प्रत्याशी घोषित अध्यक्ष प्रत्याशी राकेश कांसल थूवोनजी कमेटी के अध्यक्ष अशोक जैन टींगू मिल महामंत्री विपिन सिंघाई मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा राकेश कांसल राकेश अमरोद निर्मल मिर्ची सुनील अखाई नितिन बज आशीष अथाइखेडा संजीव भारिल्ल उमेश सिघ ई शैलेन्द्र श्रागर प्रदीप तारई अरविंद पत्रकार अशीष बजरंगी नरेश एडवोकेट अजित वरोदिया मनीष वरखेडा राजेन्द्र अमन मेडिकल मुकेश हार्डी श्रेयांस घेला प्रमोद मंगलदीप संजय केटी टिकंल जैन निर्मल मिर्ची नवीन सर मनीष सिघई शैलू विधायक पवन करैया सुलभ अखाई राजकुमार कासंल मोहित मोहरी अंसू वतेशा सहित सैंकड़ों समर्थक जूलूस में चल रहे थे।

# रेलवे कर्मचारियों की सुरक्षा से नहीं होगा कोई समझौता

## रेलवे कॉलोनी में बढ़ रही अपराधिक गतिविधियों पर यूनियन के महामंत्री मुकेश गालव ने की चिंता व्यक्त

**गंगापुर सिटी. शाबाश इंडिया**

रेलवे कॉलोनी में रह रहे रेल कर्मचारियों एवं उनके परिजनों की सुरक्षा व्यवस्था में कोई कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। गंगापुर

सिटी रेलवे कॉलोनी में बढ़ रही अपराधिक गतिविधियों पर चिंता व्यक्त करते हुए यूनियन के महामंत्री मुकेश गालव ने आज रेल कर्मचारियों से कहा कि हमने गंगापुर सिटी की रेल कर्मचारियों की समस्याओं को मुख्यालय एवं मंडल स्तर पर संबंधित अधिकारियों के समक्ष उठाया है और जल्दी ही यहां के रेलवे कॉलोनी में अपराधियों की शरण स्थली बने खंडहर रेल आवासों को ध्वस्त करने का काम प्रारंभ होगा। कॉलोनी में बाउंड्री वाल बनाई जाएगी एवं उचित पुलिस से गस्त के लिए भी निर्देश जारी कर दिए हैं। गालव आज उधमपुर एक्सप्रेस से कोटा से दिल्ली की ओर जा रहे थे।

## वेद ज्ञान

### ‘मोह’ एक अवश्यंभावी सत्य है

‘मोह’ शब्द की व्याख्या विविध रूपों, अर्थों और विचारों से की गई है। किसी ने मोह का विवेचन एक निर्मूल ‘मोह-बंध’ मानकर किया, तो कोई ज्ञानवान व्यक्ति इसे मन का अमूर्त विकार ही मान बैठा। तो क्या यह मान लें कि मोह-बंध मात्र एक विकृत मन है जो मनुष्य का संतुलन खो देने में सक्षम है। सदियों से मान्य एक यथार्थ यह भी है कि मनुष्य होश बाद में संभालता है, मोह-माया के बंधन में पहले फंसने लग जाता है। इस सत्य को भी नकारा नहीं जा सकता कि बालक का अपनी माता से मोह-बंध उसके रक्तचाप प्रारंभ होते ही प्रारूप ले लेता है। अब इसे प्रेम कहें या मोह पर यह एक अवश्यंभावी सत्य है। किसी ने कहा कि कोई वस्तु या व्यक्ति जब तक पास है, आनंद देती है, परंतु दूर जाने पर कष्ट, यही मोह है। इस मापदंड को माना जाए, तो क्या यह संभव है कि माता प्रेमवश अपनी संतान से दूर दुखी व समीपता में आनंद की अनुभूति न करे। यह एक ऐसा पावन रिश्ता है जो मोह की पराकाष्ठा को दर्शाता है। तब क्या यह प्रेम नहीं? मनुष्य स्वाभाविक रूप से अपने चारों ओर के परिवेश से सहज ही जुड़ा रहता है, फिर वह धन-संपदा, चल-अचल संपत्ति, परिवार, संतान आदि क्यों न हों। वह एक ऐसे मोह-बंध में जकड़ता जाता है कि चाहकर भी उससे मुक्त नहीं हो पाता। यह मोह उसे एक प्रकार का आनंद प्रदान करता है, जिसकी न्यूनता उसे व्यथित करती रहती है। मोह केवल स्थूल वस्तुगत् चीजों तक ही सीमित नहीं रहता। व्यक्ति की उपलब्धियों, मान-सम्मान, सराहना, यहां तक कि अपने रूप-सौंदर्य तक से वशीभूत रहता है। इनके बिना उसे अपना अस्तित्व ही निरर्थक लगने लगता है और वह लगातार भय महसूस करता है। संतान, पौत्र, प्रपौत्र पीढ़ी का मोह-बंध तो मानव के असीमित दुख के संचित आसक्ति भरे तनाव का कारण बन पड़ता है। ऐसा मोह उसे अत्यधिक सुखद अनुभूति तो प्रदान करता है, लेकिन इसका बहुत बड़ा मूल्य उसे चुकाना पड़ता है। वह इस मोह-बंध के चलते प्रत्येक स्तर के निरादर, उपेक्षा, अवहेलना व आलोचना का भागीदार बनता है। यह मोह एक प्रकार का विकार है, इस यथार्थ से वह अनभिज्ञ रहना चाहता है। वह जितनी जल्दी इस अमूर्त विकार का साक्षी भाव से निरीक्षण कर ले, उतना ही हितकर, मंगलकारी होगा।

## संपादकीय

# मौसम की अपनी गति...

पिछले कुछ समय से बार-बार पश्चिमी विक्षोभ उत्पन्न होने से सामान्य से ज्यादा बरसात हुई और मौसम विभाग के मुताबिक दिल्ली का औसत अधिकतम तापमान 35.32 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम की अपनी गति होती है। हमारे देश में ऋतु चक्र के मुताबिक जिन महीनों को गर्मी, जाड़ा या बरसात का माना जाता रहा है, वह कमोबेश उसी तरह चलता रहता है। लेकिन इसमें पर्यावरण संबंधी कुछ उथल-पुथल की वजह से किसी मौसम की अवधि में थोड़ा बदलाव या आगे-पीछे हो सकता है। फिलहाल अप्रैल के आखिर और मई की शुरूआत में मौसम ने जो रंग बदला है, वह अपेक्षा से थोड़ा अलग है, क्योंकि इन दिनों आमतौर पर गर्मी ज्यादा पड़ रही होती है। लेकिन बीते दो दिनों में हुई बारिश ने तापमान में काफी कमी कर दी है और लोगों को गर्मी की मार से राहत मिली है। यों इस साल पूरा अप्रैल का महीना खुशनुमा ही बीता और अधिकतम तापमान भी सामान्य से काफी कम रहा। जबकि पिछले साल इसी दौरान यानी अप्रैल-मई में खासतौर पर दिल्ली के लोगों को भीषण गर्मी का सामना करना पड़ा था। काफी लोग लू और गर्म हवा के थपेड़ों की चपेट में आकर बीमार भी हुए। पिछले कुछ समय से बार-बार पश्चिमी विक्षोभ उत्पन्न होने से सामान्य से ज्यादा बरसात हुई और मौसम विभाग के मुताबिक दिल्ली का औसत अधिकतम तापमान 35.32 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हालांकि अप्रैल की शुरूआत में विभाग की ओर से ही उत्तर-पश्चिम भारत के कुछ हिस्सों को छोड़ कर देश के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से अधिक तापमान रहने का अनुमान जताया गया था। लेकिन न केवल अप्रैल में मौसम के लिहाज से स्थिति अच्छी और सहज रही, बल्कि इस बार अप्रैल के आखिर में तापमान 28.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दरअसल, इस दौरान कम से कम पांच बार पश्चिमी विक्षोभ पैदा होने से दिल्ली में अप्रैल में अच्छी-खासी बारिश हो गई, जिसकी तुलना पांच साल पहले की स्थिति से की जा रही है। जाहिर है, इस बार तापमान में जो उतार-चढ़ाव की स्थिति बनी हुई है, उतने में गर्मी अपने नियंत्रित स्वरूप में होती है और लोगों को सेहत या कामकाज या अपनी अन्य गतिविधियों के लिए परेशान नहीं होना पड़ता है। यही वजह है कि इस बार भीषण गर्मी की मार ज्यादा चिंता नहीं पैदा कर रही है। लेकिन इतनी बरसात में ही दिल्ली में सड़कों पर जलभराव और जाम के जो हालात बने, वह व्यवस्थागत कमियों का ही उदाहरण है। एक अन्य पहलू यह है कि तापमान में संतुलन के साथ-साथ प्रदूषण के मोर्चे पर भी काफी राहत की तस्वीर बनी है। केंद्रीय वायु गुणवत्ता आयोग की ओर से दिल्ली की हवा का जो आकलन किया गया, उसके मुताबिक सात साल में पहली बार दिल्ली में जनवरी से अप्रैल के दौरान स्वच्छ हवा वाले दिनों की संख्या में भी बढ़ोतरी हुई है। **-राकेश जैन गोदिका**

## परिदृश्य

# मौत के कारखाने...

यही वजह है कि देश के औद्योगिक क्षेत्रों में लाखों मजदूर और कर्मचारी दमघोंटू जहरीली आबोहवा और हर समय किसी बड़े हादसे के जोखिम में काम करने को विवश होते हैं। लुधियाना में जहरीली गैस से ग्यारह लोगों की मौत इसका ताजा उदाहरण है। बताया जा रहा है कि जिस इलाके में जहरीली गैस फैलनी शुरू हुई, वहां सघन बस्ती है और आसपास करीब चालीस ऐसे कारखाने हैं, जो अपना रसायन रात को चोरी-छिपे सीधे सीवर, यानी जिन नालियों के जरिए शहरी जल-मल का निस्तारण किया जाता है, उसमें बहा देते हैं। रविवार की सुबह उन रसायनों से जहरीली गैस बनी और एक मिनट से भी कम समय में ग्यारह लोगों को लील गई। बहुत सारे लोग बेहोशी की हालत में अस्पतालों में भर्ती कराए गए। उन्हें याद भी नहीं कि उन्हें हुआ क्या था। यानी गैस का प्रभाव इतना तीक्ष्ण और मारक था कि लोगों को उसका क्षणिक अहसास भी नहीं हुआ। प्राथमिक जांचों से पता चला है कि लोगों की मौत दम घुटने से नहीं, बल्कि उनके मस्तिष्क पर आघात पहुंचने की वजह से हुई। ऐसा नहीं माना जा सकता कि जो कारखाने इस तरह के रसायनों का उपयोग करते हैं, उन्हें इसकी जानकारी नहीं रही होगी कि वे पानी या दूसरे रसायनों के साथ प्रतिक्रिया करके किस तरह घातक साबित हो सकते हैं। मगर हकीकत यह है कि छोटे और मझोले कारखाने खर्च में बचत की मंशा से जलशोधन संयंत्र लगाने जैसी अनिवार्य शर्त के पालन से बचने का प्रयास करते हैं। इसमें उनकी मदद प्रदूषण नियंत्रण से जुड़े अमले करते हैं। कारखानों से निकलने वाला रासायनिक जल-मल बिना शोधन के बहाना दंडनीय अपराध है। मगर कारखाना मालिक चोरी-छिपे रात को इसे खुली नालियों में बहा दिया करते हैं। यह कहानी हर औद्योगिक क्षेत्र की है। वैसे हमारे देश में बहुत कम कारखाने ऐसे हैं, जो जलशोधन संयंत्र लगाते हैं। चूंकि यह संयंत्र लगाना खासा खचीर्ला काम है, इसलिए छोटे और मझोले कारखाना मालिक इसका खर्च उठाने से बचने का रास्ता तलाश करते रहते हैं। इसमें उनकी मदद खुद प्रदूषण नियंत्रण करने वाला महकमा करता देखा जाता है। जब भी ऐसा कोई बड़ा हादसा होता या बड़ी आबादी की सेहत पर दुष्प्रभाव नजर आता है, तो प्रशासन कुछ समय के लिए हरकत में आता है और कुछ कारखाना मालिकों और कर्मचारियों-अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करने की खानापूर्ति की जाती है। फिर वही स्थिति कायम हो जाती है। कारखानों में लापरवाही या जानबूझ कर की जाने वाली नियम-कायदों की अनदेखी की वजह से होने वाले हादसों पर इसलिए भी लगाम नहीं लग पाती कि हमारे यहां औद्योगिक हादसों के मामले में मुआवजे वगैरह को लेकर कानून सख्त नहीं हैं। ऐसे हादसों का शिकार होने वाले प्रायः गरीब तबके के लोग होते हैं, इसलिए प्राथमिक तौर पर तो प्रशासन खुद समझा-बुझा कर पीड़ित पक्ष को समझौता करने को राजी कर लेता है। अगर कुछ मामले अदालतों तक पहुंचते भी हैं तो मुआवजा इतना कम मिलता है कि कारखाना मालिकों को उसकी बहुत परवाह नहीं होती। दूसरे देशों में ऐसे हादसों में मुआवजे की रकम इतनी बड़ी रखी गई है कि कारखाना मालिक किसी तरह की लापरवाही करने की सोच भी नहीं सकते। जब तक सरकारें इस दिशा में दृढ़ इच्छाशक्ति नहीं दिखाएंगी, ऐसे हादसों पर लगाम लगना कठिन बना रहेगा।

# अंतर्मना आचार्य प्रसन्नसागर महाराज ने आचार्य श्री विद्यासागर महाराज के चरण पखार आजीवन शक्कर एवम चटाई का किया त्याग

**डोंगरगढ़. शाबाश इंडिया**

जब त्याग तपस्या की जीवंत मूर्तियों का एक साथ समागम होता है तो एक नया इतिहास लिख दिया जाता है और समाज और राष्ट्र को नई एक प्रेरणा देता है। विशेषकर दिगंबर जैन संतो का महा समागम ऐसे ही पावन क्षण देखने को मिला चंद्रगिरी तीर्थ डोंगरगढ़ की धरा पर जब पूज्य आचार्य श्री विद्यासागर महाराज की चरण वंदना हेतु इस सदी के उत्कृष्ट तप साधक अंतर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्न सागर महाराज ससंघ चंद्रगिरी तीर्थ डोंगरगढ़ पर आए। यह क्षण इतना दुर्लभ था कि जिन्होंने भी इन दृश्यों को देखा और जो श्रद्धालू वहां मौजूद रहे वह अपने आपको भाव विभोर होने से नहीं रोक पाए इन पावन क्षणों में आचार्य श्री प्रसन्नसागर महाराज ने विनय संपन्नता की भावना का एक उदाहरण दिया। पूज्य महाराज श्री ने आचार्य श्री के चरणों का विनय भाव के साथ पाद प्रक्षालन किया। जब गुरु चरणों में उन्होंने नमोस्तु निवेदित किया तो वह भी एक अलौकिक प्रस्तुत कर रहा था। आचार्य श्री प्रसन्न सागर महाराज ने जो स्वयं तप त्याग साधना का जीता जागता उदाहरण है जेसे ही उन्होंने आचार्य श्री के चरणो में निवेदित किया 'गुरु चरण ही मेरे तीर्थ है' और उन्होंने त्याग करते हुए कहा कि आपके समक्ष में आजीवन शक्कर एवम चटाई का त्याग करता हूं ऐसे दुर्लभ क्षण बहुत कम देखने को मिलते हैं। इसमें कोई अतिशयोक्ति नहीं है की दिगंबर संत की साधना अपने आप में एक अभूतपूर्व है।

संयम तप की यह साधना
करती है धर्म की अलौकिक प्रभावना
हर जगत ने माना जैन संत की होती अदभुत साधना
हे पावन निर्ग्रंथ संत आपकी कोटि-कोटि अनुमोदना।

नरेंद्र अजमेरा, पियुष कासलीवाल औरंगाबाद

# जैन छात्रावास में समर कैंप प्रारम्भ

## 06 मई को विधिवत उद्घाटन, 31 मई को समापन एवं पुरस्कार वितरण

**मनोज नायक. शाबाश इंडिया।**

ग्वालियर। श्री वीर शिक्षा समिति ग्वालियर द्वारा जैन छात्रावास में समर केम्प का आयोजन 01 मई से प्रारम्भ हुआ। श्री वीर शिक्षा समिति ग्वालियर के महामंत्री डॉ. मुकेश जैन द्वारा प्रदत्त जानकारी के अनुसार ग्रेटर ग्वालियर जैन समाज की प्रतिष्ठित संस्था वीर शिक्षा समिति द्वारा माधव डिस्पेंसरी के सामने जैन सेंट्रल स्कूल (जैन छात्रावास) के संचालन के साथ साथ स्वास्थ्य, चिकित्सा, नेत्र परीक्षण, मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर जैसे अनेकों समाजोत्थान के कार्यों में अपनी गतिशीलता बनाये हुए है । जैन छात्रावास ग्वालियर में अन्य शहरों से आने वाले साधर्मी बन्धुओं के लिए ठहरने के लिये रियायती दरों पर एसी/नॉन एसी, सादा कमरों की बहुत ही अच्छी व्यवस्था रहती है। डॉ. जैन ने बताया कि इस वर्ष समिति द्वारा सभी वर्गो के बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए विद्यालय के प्रांगण में ग्रीष्मकालीन अवकाश में 01 मई से 30 मई तक समर केम्प चल रहा है । 06 मई को प्रातः 9.30 बजे समर कैंप का विधिवत उद्घाटन होगा । रविबर 14 मई को प्रातः 9.30 बजे मदर्स-डे के उपलक्ष्य में मातृ पूजन, 15 मई से 22 मई तक केवल महिलाओं के लिए पर्सनैलिटी डेवलपमेंट वर्कशॉप, 17 मई को स्तन कैंसर रोग परीक्षण शिविर एवं सेमिनार, 28 मई को सायंकाल 4 बजे से फनफेयर मेला का आयोजन होंने जा रहा है । सेवाभावी संस्था दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप ग्रेटर ग्वालियर द्वारा सभी सामाजिक एवं अन्य सभी सामाजिक, धार्मिक संस्थाओं के सहयोग से मेले में विभिन्न प्रकार के खान-पान के स्टाल, मनोरंजन के आइटम एवं जैन समाज के व्यक्तियों द्वारा निर्मित विभिन्न सामग्रियों की प्रदर्शनी एवं विक्रय हेतु स्टाल लगाये जायेंगे। 31 मई को प्रातः 09 बजे समर कैंप का समापन समारोह होगा जिसमें सभी प्रतिभागियों एवं प्रशिक्षकों का सम्मान होगा साथ ही पुरस्कार वितरित भी किये जायेंगे ।

# वृक्षारोपण एवं पर्यावरण उत्कृष्टता सम्मान

**सुधीर शर्मा. शाबाश इंडिया।**

सीकर। ऑक्सीजन जन आंदोलन एक व्यक्ति एक पेड़ अभियान के तहत राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पुनी लक्ष्मणगढ़ जिला सीकर में हरित राजस्थान कार्यक्रम को बढ़ावा देने हेतु वृक्षारोपण किया गया इस अवसर पर वृक्ष मित्र एवं पर्यावरण प्रेमी श्रवण कुमार जाखड़ सांखू प्रधानाचार्य विनीत डोटासरा शिक्षक महेंद्र सिंह शेखावत मनोहर लाल शर्मा नरेंद्र सोनी परमेश्वर लाल मनोज जांगिड़ जनार्दन जोशी प्रमिला रुचि बुडानिया मुखराम महला सोनिया शर्मा ग्रामीण जन जीवन खान सांवरमल शर्मा लक्ष्मीकांत प्रदीप आंगनवाड़ी कार्यकर्ता शारदा देवी संपत्ति देवी आदि ने वृक्षारोपण कर इनकी देखभाल की जिम्मेदारी ली पर्यावरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए ऑक्सीजन जन आंदोलन एक व्यक्ति एक पेड़ अभियान के संयोजक वृक्ष मित्र श्रवण कुमार जाखड़ ने प्रधानाचार्य विनीत डोटासरा का सम्मान प्रशस्ति पत्र मोमेंटो माला भेंट कर स्वागत किया।

# पंचकल्याणक

**राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया।**

इन्दौर।श्री 1008 आदिनाथ त्रिकाल चोवीसी मज्जिनेन्द्र अंतर्राष्ट्रीय पंचकल्याणक जिनबिम्ब प्रतिष्ठा महा महोत्सव कल्पतरु में आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज के परम शिष्य मुनिश्री 108 आदित्य सागरजी महाराज, मुनिश्री अप्रमित सागर जी महाराज, मुनिश्री सहज सागर जी महाराज के परम सानिध्य मे प्रतिष्ठाचार्य पं पवन दीवान एवं सह प्रतिष्ठाचार्य पं नितिन झांझरी, पं शांतिलाल जैन एवं बाल ब्रह्मचारी पियुष भैया के पावन निर्देशन में आज मोक्ष कल्याणक महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। प्रातः काल की शुभ बैला में आदिनाथ महाराज को मोक्ष प्रदान हुआ। सुबह जिनाभिषेक शांतिधारा नित्य पुजन के बाद संस्कार विधि कि गई। विश्व शांति के लिए हवन किया गया। तीर्थंकर का मोक्ष जब होता है तब वे चोहदवे गुण स्थान में आते ही पांच उच्चारण में जितना समय लगता है उसके अंत में ही चार अघातिया कर्मो का क्षय करके मोक्ष को प्राप्त होते हैं। सारी प्रतिमाओं को सभी इन्द्र नवीन जिनालय में जय घोस के साथ लेकर गए। और श्रीजी की स्थापना कि गई। मंदिर के शिखर पर कलशारोहण ध्वजारोहण किया गया। इसके पश्चात कार्यकर्ता का सम्मान मोमेंटो देकर किया गया इसमें प्रमुख श्री पुलक जन चेतना मंच के कप्तान प्रदीप बडजात्या,कमल रावका, कैलाश लुहाड़िया महेंद्र निगोतिया, मिडिया प्रभारी राजेश जैन दद्दू, प्रवीण जैन आदि का सम्मान किया इस अवसर पर दिगंबर जैन समाज समाजिक सांसद के मंत्री डॉ जैनेन्द्र जैन, नरेंद्र वेद, धर्मेन्द्र सिनकेम, चन्द्रेश जैन, डीके जैन जिनेन्द्र जैन मयंक, पीसी जैन परवार समाज महिला संगठन की अध्यक्ष श्रीमती मुक्ता जैन आदि समाज जन एकत्रित हुए ।

# सही शिक्षा जागृति से अंधविश्वास का अंत

**शाबाश इंडिया**

ग्रामीण क्षेत्रों में ग्रामवासी अंधविश्वास से प्रभावित हो जाते है, वहीं महिलाएं टोनही जैसे कुरीतियों से प्रताड़ित होती है। बैगा-गुनिया एवं जादू-टोने से झांसे में आकर जनसामान्य ठगे जाते है। समाज में व्याप्त इन्हीं अंधविश्वास एवं कुरीतियों को दूर करने के लिए वैज्ञानिक सोच के साथ जन-जागृति की जरूरत है। ढोंगी एवं पाखंडी लोग जादू-टोने के नाम पर जनसामान्य को बेवकूफ बनाते है। इसके लिए वे वैज्ञानिक तरीकों का उपयोग करते हुए कभी नीबू से खून निकालते है तो कभी आग पर चलकर जनसामान्य को अपने प्रभाव में लेते है। कई बार जनसामान्य अंधविश्वास के कारण अपराध में भी लिप्त हो जाते है। गांवों में पाखंडी लोग भोले-भाले ग्रामवासियों को अपने प्रभाव में लेकर ठगते है। हालांकि अंधविश्वास को रोकने के लिए कानून भी बने है। लेकिन जनसामान्य में वैज्ञानिक सोच एवं जागरूकता की आवश्यकता है। आज भी गांव में ग्रामवासी कई बार बीमारियों का इलाज नहीं कराते और झाड़-फूंक में विश्वास करते है और बीमारी बढ़ जाने पर डॉक्टर के पास जाते है। टोनही जैसे अंधविश्वास एवं कुरीतियां दुखद है। टोनही के नाम पर महिलाओं पर अत्याचार एवं अपराध के रूप में कई उदाहरण सामने आते है। महिलाओं को टोनही कहकर प्रताड़ित करने तथा गांवों से बहिष्कृत कर निकालने की घटनाएं दुखद है। सभी आज मोबाइल का उपयोग तो करते है, लेकिन वैज्ञानिक सोच नहीं रखते है। पाखंडी बाबा चमत्कार कर लोगों को अपने गिरफ्त में लेकर लूटते है तथा शोषण एवं प्रताड़ित करते है, इसके लिए वे हाथ की सफाई एवं वैज्ञानिक तरीकों का उपयोग करते है। अंधविश्वास को न मिटाने से समाज ऐसा ही होता जैसा आजकल है। भूत- प्रेतों पर विश्वास , बलि प्रथा से तथाकथित देवी-देवताओं को खुश करना, बहू के स्थान पर दहेज की मान्यता शताब्दियों से चली आ रही हैं तथा आगे भी चलती रहेगी। स्त्रियों के प्रति तांत्रिकों, पंडितों , पुरोहितों, मठाधीशों की मनमानी व कुत्सित दृष्टि रहती। इस पर भी कुछ

समाज सुधारक इन्हें जड़ मूल से मिटाने का प्रयास करते। अशिक्षित ही नहीं, पढ़ें लिखे लोग भी इनपर ज्यादा विश्वास करते हैं और इन्हें प्रोत्साहन देते हैं । यह समाज की विडंबना ही है। अंधविश्वास की परिभाषा जैसे अंधे की तरह किसी बात पर या परंपराओं पर विश्वास कर लेना। हमारे समाज में अभी तक हर तरह के अंधविश्वास मौजूद हैं,रात में कुत्ते का रोना, बिल्ली का रोना, विधवा का दिखाई देना,काने व्यक्ति का दिख जाना और घर से निकलते वक्त किसी को छींक आना, ये सब प्रचलित अंधविश्वास में आते हैं। समाज में व्याप्त अंधविश्वास के कारण आज भी देश के कई भागों में विधवाओं को दुर्भाग्य का प्रतीक माना जाता है। पति की मृत्यु के बाद उन्हें उनके सारे अधिकारों से वंचित कर घर से निकाल दिया जाता है। ऐसी हजारों महिलाएं कठिनतम जीवन जीती हुई वृंदावन को ही अपना मुक्तिधाम मान बैठती हैं। दो वक्त की रोटी के लिए ये बर्तन धोने, साफ-सफाई से लेकर सारे काम करती हैं। यहां तक कि किसी आश्रम में जगह न मिलने पर ये भीख मांग कर जीवन जीने को अभिशप्त हो जाती हैं। इन महिलाओं का यौन-शोषण भी खूब होता है। वृंदावन के अलावा काशी, मथुरा, हरिद्वार सहित देश के अन्य कई हिस्सों में भी परिवार से निष्कासित विधवाएं आश्रमों और गलियों-चौराहों में नारकीय जीवन जीने को मजबूर हैं। ऐसे सैंकड़ों अंधविश्वास और भी हैं। जो हमारे परंपराओं में सम्मिलित हैं।अंधविश्वास छोटा या बड़ा नहीं होता है ,भयानक और आसान नहीं होता है।अंधविश्वास डर और लोभ से बना हुआ एक ऐसा बीज है ,जो इंसान के शरीर में प्रवेश करने के बाद उसके आत्मविश्वास को हमेशा कमजोर बनाता रहता है। अनपढ़ लोग ही अंधविश्वास नहीं फैलाते वे तो अंधविश्वास में फंस जाते हैं। अन्धविश्वास को फैलाने वाले लोग तो पढ़े लिखे ही हैं । अन्धविश्वास के जनक पुराणों को लिखने वाले अनपढ़ नहीं पढ़े लिखे थे। रामायण, महाभारत, गीता आदि में अंधवैश्वासिक बातों की मिलावट करने वाले भी पढ़े लिखे ही थे, और वह भी संस्कृत के ज्ञाता। रामचरितमानस जैसे ग्रंथ के लेखक भी पढ़े लिखे थे और आज भी सभी मन्दिरों, तीर्थ स्थलों में बैठे लोग , ज्योतिष और वास्तु शास्त्र आदि के नाम पर अन्धविश्वास फैलाने वाले लोग भी पढ़े लिखे ही हैं । क्या रामपाल और ब्रह्मा कुमारी सम्प्रदाय जैसे लोग पढ़े लिखे नहीं हैं जो सब शास्त्रों के मनमाने अर्थ करके अंधविश्वास फैलाते हैं? तो पढ़े लिखे लोग ही अनपढ़ या कम शिक्षित लोगों को अपना शिकार बनाते हैं। उनमें अंधविश्वास पैदा कर , उनसे अपना तन मन धन समर्पित करवा कर खुद ऐश और आराम की जिंदगी जीते हैं । अनपढ़ लोग तो दया के पात्र हैं । हम सब का उत्तरदायित्व है कि उन्हें शिक्षित करें और अन्धविश्वास से बाहर निकलने में सहायता करें। शिक्षा से जागृति लाए जाए तथा समाज सुधार हेतु सामाजिक संस्थाओं, एन जी ओ, शिक्षण संस्थाओं, सरकार आदि की सक्रियता काम आएगी। ऐसे कई माध्यम है जिनसे हम अंधविश्वास को दूर कर सकते है। जैसे सोशल मीडिया, टेलीविजन, विद्यालय, ब्लॉग, सामाजिक कार्यक्रम व अन्य से जागृति पैदा कर सकते है।

पूजा गुप्ता: मिर्जापुर उत्तर प्रदेश

## फेमिना मिस इंडिया नंदिनी गुप्ता का किया जैन सोशल ग्रुप कोटा के डा समीर मेहता ने स्वागत व सम्मान

**कोटा. शाबाश इंडिया**

फेमिना मिस इंडिया नंदिनी गुप्ता 2 मई को अपने स्कूल सैंट पॉल्स माला रोड पहुँची जहां सभी विद्यार्थी ,शिक्षक व फादर प्रिंसिपल ने उनका भव्य स्वागत किया। ओल्ड स्टूडेंट्स एसोसिएशन के डा समीर मेहता पूर्व अध्यक्ष जैन सोशल ग्रुप कोटा, बसंत राजीव चोर्डिया मनोज मूनोत व संजय ने भी मोमेंटो दे कर नंदिनी गुप्ता का स्वागत किया। नंदिनी अपने शिक्षक, स्टाफ व जूनियर स्टूडेंट्स को देख भावुक हो गई व उनके बीच जा कर सेल्फी ली। छात्रों ने उनके स्वागत में एक शानदार नृत्य प्रस्तुत किया व समूह गान भी गाया। सभी ने उनको मिस वर्ल्ड के लिये शुभकामनाएँ दी । डा समीर ने बताया की नंदिनी राजस्थान की पहली फेमिना मिस इंडिया खिताब जीतने वाली सेलिब्रिटी बन गई है ।वह अभी मुंबई में मैनेजमेंट स्टडीज कर रही है।

## भारतीय जैन मिलन एवं पाठशाला का स्थापना दिवस मनाया

**राघौगढ़. शाबाश इंडिया।** भारतीय जैन मिलन के 58 वें स्थापना दिवस एवं आचार्य विद्यासागर दिगंबर जैन पाठशाला के 19 वें स्थापना दिवस पर आचार्य विद्यासागर भवन में आयोजित समारोह में भारतीय जैन मिलन के वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विजय कुमार जैन ने कहा गौरवशाली संस्था भारतीय जैन मिलन की स्थापना 2 मई 1966 को देहरादून में हुई थी उस समय उत्तर भारत में संस्था की मात्र 15 शाखाएं थी। पिछले 57 वर्षों की संस्था की प्रगति यात्रा सराहनीय रही है। आज देश में संस्था की 1500 शाखाएं, महिला जैन मिलन की 500 शाखाएं, युवा जैन मिलन की 50 शाखाएं सेवा के क्षेत्र में सराहनीय भूमिका निभा रही हैं। भारतीय जैन मिलन फाउंडेशन के माध्यम से विभिन्न पारमार्थिक, शैक्षणिक, आपदा पीड़ित परिवारों को उदारता से सहयोग दिया जाता है। सरधना मेरठ में भारतीय जैन मिलन हॉस्पिटल संचालित है। भारतीय जैन मिलन का मुख्य उद्देश्य हमारे आपसी मतभेदों को भूलकर जैन एकता को मजबूत करना है। इसी उद्देश्य को लेकर संस्था 57 वर्ष से प्रयासरत है। आज ही के दिन19 वर्ष पूर्व मुनि प्रशांत सागर जी निर्वेय सागर जी महाराज के पावन सानिध्य में आचार्य विद्यासागर दिगंबर जैन पाठशाला का शुभारंभ हुआ था।

## अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस उल्टी गिनती दिवस श्रृंखला में किया योग

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में योग को जन-जन तक पहुंचाने हेतु योग दिवस, 2023 से पूर्व 100 दिवस का काउंटर कार्यक्रम देशभर में शुरू हो चुका है। इसी को ध्यान में रखते हुए मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा दिनांक 2 मई 2023 को भवानी निकेतन स्कूल, सीकर रोड, जयपुर में सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम संपन्न हुआ। डॉ विशाल गौतम, कार्यक्रम अधिकारी, राष्ट्रीय सेवा योजना, सुबोध महाविद्यालय के निर्देशन में इस सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम में करीब 90 से अधिक स्वयंसेवकों ने योग किया। इस योग महोत्सव में करीब 15,000 से अधिक लोग सम्मिलित हुए। स्वयंसेवकों में रिया कुमारी, शिवम पारीक, अक्षय मौर्य, जय गौतम, शुभम गौतम, प्रत्यूष जैन, नेहा शर्मा, रिया चौधरी सहित बहुत से स्वयंसेवकों ने योग किया। डॉ विशाल गौतम ने इस कार्यक्रम में लोगों को योग के प्रति जागरूक किया। उन्होंने कहा की योग मानसिक एवं शारीरिक रूप से स्वस्थ रखता है, इसलिए अधिक से अधिक योग करना चाहिए।

## पर्यावरण शुद्धि हवन व स्वास्थ्य कार्यक्रम

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** सेवा भारती समिति, आदर्श नगर ईकाई, जयपुर की ओर से पर्यावरण शुद्धि यज्ञ एवं स्वास्थ्य कार्यक्रम का आयोजन फ्रंटियर कालोनी कार्यालय पर आयोजित किया गया, जिसके प्रमुख डां.एम.एल जैन 'मणि' परिवार था। हवन कार्यक्रम डां राकेश कालरा पुर्व प्राचार्य शिक्षा विभाग, राजस्थान ने बडे भक्तिभाव व मन्त्रोचार के साथ कराया। कार्यक्रम के विशेष आकर्षण में डां.एम.एल जैन 'मणि' अन्तरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त वरिष्ठ होम्योपैथ का स्वास्थ्य पर मार्गदर्शन व होम्योपैथी का राजस्थान में विकास, होम्योपैथिक पर श्रोताओ के प्रश्नों के उत्तर व उनकी बीमारियों की होम्योपैथिक दवाईयां बताना था। एस पी जौली व श्रीमति जौली ने मणि परिवार का माल्यार्पण कर स्वागत किया। जौली एवं अन्य सदस्यों ने डां.एम.एल जैन ''मणि'' को मोमेंटों व गिफ्ट देकर सम्मानित किया। डां कालरा ने हवन में सभी सदस्यों के भाग लेने पर धन्यवाद एवं आभार प्रकट किया।

# शपथ ग्रहण समारोह आयोजित

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** महावीर इन्टरनेशनल एसोसियेशन, जयपुर के द्वितीय 2023-25 के चुनाव निर्विरोध 30 अप्रैल 2023 को सभा में सम्पन्न हुये जिसमें 19 गवर्निंग कॉन्सिल मेम्बर व नवनिर्वाचित अध्यक्ष वीर सुभाष गोलेछा, उपाध्यक्ष वीर नरेन्द्र कुमार सेठी, सचिव वीर अनिल वैद्य, सहसचिव वीर विजय हींगड, कोषाध्यक्ष वीर अशोक शंका को चुनाव अधिकारी श्री त्रिलोक चन्द्र गोलेछा द्वारा शपथ दिलाई गई।

## आपाके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380
दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

# जानिए एकादशी के दिन चावल क्यों नहीं खाए जाते, क्या है वजह?

**डॉ पीयूष त्रिवेदी**
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय आयुर्वेद चिकित्सालय राजस्थान विधानसभा,जयपुर। 9828011871

सनातन धर्म में यूं तो हर व्रत का अपना महत्व है लेकिन एकादशी का विशेष स्थान है। एकादशी तिथि भगवान विष्णु को समर्पित होती है इसलिए एकादशी को हरि वासर या हरि का दिन भी कहा जाता है। हर महीने कृष्ण पक्ष और शुक्ल पक्ष में दो एकादशी पड़ती हैं और इस व्रत को करने से सभी पाप नष्ट हो जाते हैं व व्यक्ति को मोक्ष की प्राप्ति होती है। शास्त्रों में एकादशी व्रत को करने का विशेष नियम बताए गए हैं। कहा जाता है कि इन नियमों का पालन सही से नहीं किया जाए तो व्रत का कोई फल नहीं मिलता है। एकादशी के दिन बताया जाता है कि तामसिक भोजन से परहेज रखना चाहिए और चावल नहीं खाना चाहिए। कहा जाता है कि इसे खाने से मन में अशुद्धता आती है.

## जानें धार्मिक और वैज्ञानिक कारण

शास्त्रों में बताया गया है कि एकादशी का व्रत इंद्रियों पर नियंत्रण के खास उद्देश्य के साथ किया जाता है। ताकि मन को निर्मल और एकाग्रचित रखा जाए। एकादशी के दिन चावल खाना निषेध बताया गया है। बहुत से लोग इस बात को जानते हैं लेकिन इसके पीछे नियम क्या है, इस बात से अनजान हैं। आज हम आपको एकादशी के दिन चावल न खाने का धार्मिक और वैज्ञानिक कारण बताएंगे।

## यह है धार्मिक मान्यता

पौराणिक कथा के अनुसार, माता शक्ति के क्रोध से बचने के लिए महर्षि मेधा ने अपने शरीर का त्याग कर दिया था। इसके बाद उनके शरीर का अंश धरती माता के अंदर समा गया। मान्यता है कि जिस दिन महर्षि का शरीर धरती में समा गया था, उस दिन एकादशी थी। कहा जाता है कि महर्षि मेधा चावल और जौ के रूप में धरती पर जन्म लिया। यही वजह कि चावल और जौ को जीव मानते हैं इसलिए एकादशी के दिन चावल नहीं खाया जाता। मान्यता है कि एकादशी के दिन चावल खाना महर्षि मेधा के मांस और रक्त के सेवन करने जैसा माना जाता है।

## यह है वैज्ञानिक दृष्टिकोण

सनातन धर्म की परंपराएं और मान्यताएं किसी न किसी वैज्ञानिक दृष्टिकोण पर आधारित होती हैं। यह पूर्वजों का ही दिव्य ज्ञान का कमाल है, जिससे यह परंपराएं आज भी सटीक बैठती हैं। वैज्ञानिक तथ्यों के अनुसार, चावल में जल तत्व की मात्रा अधिक होती है। वहीं जल पर चंद्रमा का प्रभाव अधिक पड़ता है और चंद्रमा मन का कारक ग्रह होता है। चावल को खाने से शरीर में जल की मात्रा बढ़ जाती है, इससे मन विचलित और चंचल होने लगता है। मन के चंचल होने से व्रत के नियमों का पालन करने में बाधा आती है।

## इन कामों को करने से बचें

शास्त्रों में बताया गया है कि एकादशी तिथि पर कुछ बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। इस तिथि पर लहसुन, प्याज, मांस, मछली, अंडा आदि तामसिक भोजन से परहेज रखना चाहिए। इसके साथ ही न सिर्फ व्रती को बल्कि घर के सभी सदस्यों को झूठ बोलने और गलत काम करने से बचना चाहिए।

# जैन सोशल ग्रुप जेम सिटी ने रक्तदान शिविर का आयोजन किया

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** जैन सोशल ग्रुप जेम सिटी ने संतोकबा दुर्लभजी अस्पताल में दो दिवसीय रक्तदान शिविर का भव्य आयोजन किया ।शिविर में करीब 2750 लोगों ने रक्तदान किया।इस मौके पर जैन सोशल ग्रुप इंटरनेशनल फेडरेशन नॉर्दन रीजन के चेयरमैन महेंद्र कुमार सिंघवी सचिव सिद्धार्थ जैन मौजूद रहे। जैम सिटी चैरिटेबल ट्रस्ट के चेयरमैन देवेंद्र अजमेरा और चीफ पैटर्न संजय काला ,मैनेजिंग ट्रस्टी संदीप कटारिया और सेक्रेटरी जनरल दिनेश गोदिका मौजूद थे। जैन सोशल ग्रुप जैम सिटी के अध्यक्ष रवि जैन और सचिव अनिल सेठी ने बताया की 2004 से यह ग्रुप हर साल रक्तदान शिविर का नियमित आयोजन करते आ रहे हैं, नॉर्दन रीजन के चेयरमैन और सचिव ने पूरी कार्यकारिणी एवं जैम सिटी परिवार को इस सुंदर एवं भव्य आयोजन के लिए बहुत-बहुत शुभकामनाएं और बधाई दी।

# ऐतिहासिक जुलूस में उमड़ा जैन समाज का सैलाब

## श्रीमद जिनेन्द्र पंचकल्याणक प्रतिष्ठा प्राण महामहोत्सव : जन्मकल्याणक पर 1008 कलशों से भगवान का अभिषेक

**उदयपुर. शाबाश इंडिया**

श्री महावीर जिनालय दिगंबर जैन व सकल दिगम्बर जैन समाज की ओर से आयोजित श्रीमद जिनेन्द्र पंचकल्याणक महा महोत्सव के अवसर पर मंगलवार को सुमेर पर्वत हेतु जुलूस निकाला गया। हाथी, घोड़ों और बग्गियों के साथ विभिन्न मार्गों से निकले ऐतिहासिक जुलूस में जैन समाज के लोगों का सैलाब उमड़ा। जुलूस के वर्धमान सभागार पहुंचने पर वात्सल्य वारिधि आचार्यश्री वर्धमान सागर महाराज ससंघ की मौजूदगी में 1008 कलशों से भगवान का जन्माभिषेक मनाया गया। सर्व ऋतु विलासरोड स्थित महावीर मंदिर के श्रीमद जिनेन्द्र पंचकल्याणक प्रतिष्ठा प्राण महामहोत्सव के दूसरे दिन उदयपुर में ऐतिहासिक जुलूस वर्धमान सभागार से जुलूस रवाना हुआ। यात्रा में हाथी व 2 घोड़ों के अलावा 35 बग्गियों में पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के प्रमुख पात्र इन्द्रगण सवार थे। 3 बैड की मधुर ध्वनियों के बीच निकली यात्रा का जगह-जगह विभिन्न समाज के लोगों ने पुष्पवर्षा कर अभिनंदन किया। सहित पूरे भारतवर्ष के विभिन्न क्षेत्रों से जैन समाज के पुरुष व महिलाएं उमड़ी। यात्रा वहां से जुलूस मुख्य रोड के मोड होते हुए राजकीय फतह स्कूल स्थित वर्धमान सभागार पहुंचा। वात्सल्य वारिधि आचार्यश्री वर्धमान सागर महाराज ससंघ सानिध्य की मौजूदगी में पाण्डुक शिला पर तीर्थंकर जिन बालक को विराजमान कर सौधर्म इन्द्र के अभिषेक करने के बाद की ओर से स्वर्ण कलश से तीर्थंकर बालक का अभिषेक किया गया। बाद में महामहोत्सव के पात्रों द्वारा 1008 कलशों से भगवान का जन्माभिषेक जयकारों के बीच मनाया गया ।जैन समाज के लोगों में उमड़े सैलाब के चलते सभागार में आदिनाथ भगवान व आचार्य वर्धमान सागर महाराज के जयकारे गूंजे। संचित पुण्यों से मिलता तीर्थंकररूपी कर्म का फलः आचार्यश्री वर्धमान सागर जी वात्सल्य वारिधि व राष्ट्र गौरव आचार्यश्री वर्धमान सागर महाराज ने कहा कि आत्मा कई भव में भ्रमण करती है तब पूर्व वर्षों के संचित पुण्य से तीर्थंकर नाम कर्म का फल मिलता है। तीर्थंकर भगवान द्वारा रतन त्रय धर्म की वृष्टि की जाती है एवं देवताओं द्वारा रत्नों की वृष्टि की जाती है ।जो प्राणी दर्शन ,विशुद्धि सोलह कारण भावना का चिंतन जीवन में करते हैं ,जगत के प्राणी सुखी कैसे हो इस मंगल भावना को लेकर तीर्थंकर नाम कर्म प्रकृति का बंघ करते हैं प्रथम तीर्थंकर श्री आदिनाथ से लेकर अंतिम तीर्थंकर श्री महावीर स्वामी सभी 24 तीर्थंकर ने तीर्थंकर प्रकृति का बंघ किया। पंचकल्याणक में नाटकीय दृश्य से धर्म के संस्कार दिए जाते हैं। यह मंगल देशना उदयपुर पंच कल्याणक में दूसरे दिन जन्म कल्याणक के अवसर पर आचार्य शिरोमणि वात्सल्य वारिघि आचार्य श्री वर्धमान सागर जी ने प्रगट की। बाल ब्रह्मचारी गजू भैय्या ,राजेश पंचोलिया इंदौर अनुसार आचार्य श्री ने आगे बताया कि तीर्थंकर सहित सभी प्राणी संसार के चारों गति के अनेक भवों में भ्रमण कर मनुष्य गति में आते हैं ।तीर्थंकर प्रभु की दिव्य देशना से धर्म प्रवर्तन होता है ।आज आपको धर्म की वाणी सुनने का आसानी से अवसर मिल रहा, किंतु श्री आदिनाथ भगवान के पूर्व 18 कोड़ा कोड़ी वर्षो तक धर्म की वाणी की देशना नहीं हुई ।इसलिए धर्म को समझने का प्रयास करना चाहिए आमोद प्रमोद से समय नष्ट होता है पंचकल्याणक में जो नाटकीय दृश्य दिखाए जाते हैं उससे धर्म के संस्कार दिए जाते हैं ।आज तीर्थंकर बालक का जन्म हुआ तीर्थंकर बालक के जन्म पर 12 करोड़ से अधिक वाद्य यंत्रों का वादन होता है। सोधर्म इंद्र सचि इंद्राणी तथा सभी इंद्र परिवार के साथ आते हैं ,और सुमेरु पर्वत पर 1008 कलशो से तीर्थंकर बालक का अभिषेक करते हैं।

राजकुमार जैन उदयपुर भुवाणा

# कर्मयोगी भट्टारक श्री चारूकीर्ति महास्वामी जी का 74वाँ वर्द्धनोत्सव का भव्य आयोजन

**श्रवणबेल गोला. शाबाश इंडिया**

विश्व विख्यात तीर्थ श्री क्षेत्र श्रवणबेल गोला के यशस्वी कर्मयोगी भट्टारक श्री चारूकीर्ति महास्वामी जी का 74 वाँ वर्द्धनोत्सव बुधवार 3 मई 2023 को श्री क्षेत्र पर नवीन पट्टाभिषिक्त स्वस्ति श्री चारूकीर्ति स्वामी सान्निध्य में आयोजित हुआ जिसमें स्थानीय समाज एवं देश भर से पधारे भक्तगणो स्वामी जी के प्रति अपनी कृतज्ञान्जलि व्यक्त की। इस आयोजन में जयपुर से ताराचंद जी स्वीट केटर्स, नरेश कुमार पापडीवाल, सुखानन्द जैन काला, निर्मल कुमार सेठी एवं दिल्ली से मनीष जैन कदीमी स्वीट इण्डी ( कर्नाटक) से डी आर शाह सी आर शाह आदि विशिष्ट जनों ने सहभागिता प्रदान की।